भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4821

जिसका उत्तर 31 मार्च, 2022 को दिया जाना है।

.....

पुल निर्माण हेतु समझौता

4821. श्री अशोक कुमार यादव:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केंद्र सरकार ने नेपाल से निकलने वाली नदियों पर बांध बनाने के लिए नेपाल सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है और उक्त कार्य कब तक पूरा होने की संभावना है; और

(ग) यदि नहीं, तो क्या केंद्र सरकार का नेपाल सरकार के साथ इस तरह के किसी समझौते पर हस्ताक्षर करने का विचार है ताकि उत्तर बिहार को हर साल होने वाली विनाशकारी बाढ़ से बचाया जा सके और जलविद्युत का उत्पादन किया जा सके तथा उक्त क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सके?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टुडू)

(क) से (ग): भारत सरकार, जल संसाधनों में, भारत-नेपाल सहयोग से संबंधित मुद्दों को नेपाल सरकार के साथ द्विपक्षीय तंत्रों के माध्यम से उठाती रही है जिसमें कोसी और गंडक परियोजनाओं पर संयुक्त समिति (जेसीकेजीपी), बाढ़ और बाढ़ प्रबंधन पर संयुक्त समिति (जेसीआईएफएम) और जल संसाधन पर संयुक्त समिति (जेसीडब्ल्यूआर) शामिल हैं।

द्विपक्षीय जल सहयोग के क्षेत्र में प्रमुख परिणाम हैं:-

- फरवरी, 1996 में "महाकाली नदी के एकीकृत विकास से संबंधित संधि, जिसमें सारदा बैराज, टनकपुर बैराज और पंचेश्वर परियोजना शामिल है", पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस संधि के तहत, भारत और नेपाल एक एकीकृत परियोजना के रूप में पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना को लागू करने के लिए सहमत हुए हैं।
- नेपाल में सप्तकोशी उच्च बांध बहुउद्देशीय परियोजना और सुनकोशी भंडारण-सह-विपथन योजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के अधिदेश के साथ 2004 में एक संयुक्त परियोजना कार्यालय (जेपीओ-एसकेएसकेआई) का गठन किया गया था।

- कोसी बैराज और संबंधित संरचनाओं के निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए 1954 में कोसी परियोजना पर भारत-नेपाल समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे और 1966 में संशोधित किया गया था। इसके अलावा, दोनों देशों ने गंडक बैराज और संबंधित संरचनाओं के निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए 1959 में गंडक परियोजना पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और 1964 में संशोधन किया था। कोसी बैराज और गंडक बैराज पहले से ही निर्मित और चालू हैं।
- सिंचाई और बिजली उत्पादन पर लाभ प्रदान करते हुए बाढ़ के जोखिम को कम करने के लिए परियोजनाएं नेपाल के साथ चर्चा और सहयोग के मुद्दों के द्विपक्षीय एजेंडे में हैं। इनमें अन्य बातों के साथ-साथ कमला, बागमती और लालबकेया नदियों में नदी प्रशिक्षण कार्य शामिल हैं, जिन्हें अनुदान के रूप में भारतीय सहायता से पूरा किया गया है।

*****